हिंदी सांध्य दैनिक

भवानी टाईम्स

प्रधान संपादक : चंद्रकांत खंडेलवाल, 9422831140

RNI Reg.NO.39851/1981

E-mail : bhawanitimes@gmail.com

संपादक : प्रदिप शेंडे, 9823924676

वर्ष : 46 अंक : 69 गोंदिया, सोमवार दि. 10 अगस्त 2026 पृष्ठ : 04 मूल्य : 1.10 रू Post Redg.NPMFL/27/2024-2026

तिरोड़ा बस स्टैंड पर मारपीट, मामला दर्ज

गोंदिया : तिरोडा बस स्टैंड पर मारपीट और तांति मंग करने के आरोप में नेहरू वाई निवासी अंसठकुमार प्रेमलाल अंबुले (42) की शिकायत पर नीरज हेमलाल लिल्हारे (28) सेमरिण अर लिल्हारे (30), विशाल नंदलाल लिल्हारे (28) तथा आशीष कैलाश बरियेवर (10) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. बारों आरोपी आपस में मारपीट और गालीगलौज कर रहे थे. शिकायतकर्ता और अन्य लोगों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं मानी और सार्वजनिक शांति व सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया.

गोंदिया में वनरक्षक की मौत के मामले में वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

वनरक्षक और पदोन्नत वनपाल संगठन ने किया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

सुरक्षा सुविधाओं की कमी और वेतन न मिलने का आरोप

संगठन का कहना है कि घटना के वक्त यदि वनरक्षक के साथ वन मजदूर और पर्याप्त सुरक्षा उपाय होते, तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। अपर्याप्त सुविधाओं के कारण वनरक्षकों को अपनी जान जोखिम में डालकर सेवाएं देनी पड़ रही हैं। इसके अलावा, पिछले चार महीनों से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

संवाददाता / गोंदिया

नागझिरा वन्यजीव अभ्यारण्य के अंतर्गत आने वाले उमरझरी क्षेत्र में अपने कर्तव्य का पालन करते हुए वनरक्षक और पूर्व सैनिक शामू महागु शरणागत की एक भालू के हमले में हुई दर्दनाक मौत के बाद कर्मचारियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। इसी घटना के विरोध में वनरक्षक एवं पदोन्नत वनपाल संगठन की ओर से जिला वन विभाग कार्यालय के सामने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान दिवंगत वनरक्षक को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए।

नारेबाजी और प्रदर्शन

गोंदिया स्थित वन विभाग कार्यालय के सामने आयोजित इस आंदोलन में बड़ी संख्या में वन कर्मचारियों, वनपालों और वनरक्षकों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन के दौरान 'झूठे आश्वासन की राजनीति बंद हो', 'अन्याय का धिक्कार हो' और 'शहीद वनरक्षक अमर रहें' जैसे नारों वाले बैनर भी दिखाई दिए। इस पूरे मामले को लेकर महाराष्ट्र राज्य वनरक्षक पदोन्नत वनपाल संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष अजय पाटील ने भी अपनी बात रखी।

संक्षिप्त

सरकारी संपत्ति को पहुंचाया नुकसान

गोंदिया : आमगांव-देवरी राष्ट्रीव महामार्ग क्रमांक 543 पर तेज रफ्तार एक डिवाइडर से टकरा जाने से सागरी संपत्ति को करीव 3,01,200 रु. का नुकसान पहुंचा है. यह घटना 6 अगस्त को तत करीय 2 बजे साकनीटोला के पास हुई मध्यप्रदेश के शिल्पी निवासी आरोपी ट्रक चालक लेखराम उहेरिया (52) के खिलाफ साकरीटोला निवासी कपेश बघेले (06) की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया है.

स्कूल से घर लौट रही छात्रा घायल

गोंदिया : गोरेगांव थानांतर्गत दिरद्वामाली में होत पेट्रोल पंप के सामने स्कूल से साइकिल से घर लौट रही हिरडामाली निवासी छात्रा भार्गवी पटले (11) अज्ञात वाहन की टक्कर से पायल हो गई इलेश पटले की शिकायत के अनुसार 4 अगस्त की शाम करीब 4.30 बजे यह हादसा हुआ भाग साहकिल पर घर लौट रही थी और सड़क किनारे खड़ी थी. पुलिस ने चालक की तलाश शुरु कर दी है.

विवाद में सगे भाइयों के बीच मारपीट

गोंदिया : रामनगर थानांतर्गत डावनी के विदुल रुक्मिणी मंदिर के पास जमीन पर लगे पेड़ को लेकर हुए विवाद में सगे माहयों के बीच मारपीट हो गई ताकनी निवासी गमयत गोविंदराव माकरे (42) की शिकायत के अनुसार, पेड़ काटने को लेकर टूट विवाद के दौरान दो लोगों ने उनके साथ मारपीट की इस दौरान एक आरोपी ने थप्पड़ और घूसों से हमाला किवा जयकि दूसरे ने सीमेंट का टुकड़ा फेंककर उनकी कनपटी के पास चोट पहुंचाई. आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी. पुलिस ने नळे माई पुरुषोतम गोविंदराव माकरे (48) तथा मतीजे लिसीराम पुल्मोनम मस्करे (25) के मिलाफ (5) गागला दर्ज किया गया है

बैलगाड़ी, दोपहिया से टकराने पर पीटा

गोंदिया : वेलगाड़ी के दोपहिया से टकराने के बाद हुए विवाद में एक व्यक्ति ने युवक के सिर पर ईंट कर इकड़ा नारकर उसे चावल कर दिया यह घटना अगस्त की राम की पांतराबोडी गांव में हुई पांतराबोडी निवासी अतूल वित्णवार (29) बैलगाड़ी लेकर घर जौट रहा था. गांव में आरोपी विजय टोमणे (40) ने अपना दोपहिया वादन किराना दुकान के सामने सड़क पर खड़ा करके रखा था. इसी दौरान मोड पर बैलगाड़ी टोपहिया टकरा गई, जिससे उसके हेडलाइट के पास लग कबर टूट गया दोपहिया की क्षति की भरपाई को लेकर दोनों में विवाद हो गया. अतुल ने बैलगाड़ी घर खोदकर आने के बाद नुकसान की भरपाई करने की बात कही इसी दौरान विश्य ने सड़क पर पड़ा ईट पर ट्रकच्दा उठाकर अतुल के सिर के पीछे गाई और मार दिया.

मादा तेंदुआ पिंजरे में कैद, सोनेगांव-बीबीटोला में दहशत खत्म

सोनेगांव और बीबीटोला में ग्रामीण खेतों में जाने से कतरा रहे थे

संवाददाता / तिरोड़ा

तिरोड़ा तहसील के सोनेगांव और बीबीटोला में पिछले सप्ताहभर से तेंदुए की दहशत ने ग्रामीणों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर दिया था। आखिरकार 9 अगस्त को सुबह जब ग्रामीण नींद से उठे और उन्हें पता चला कि दहशत फैलानेवाली मादा तेंदुआ वन विभाग के पिंजरे में कैद हो चुकी है, तब कहीं जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

गौरतलब है कि नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व क्षेत्र से सटे सोनेगांव-बीबीटोला में सप्ताहभर पहले तेंदुए के शावक दिखाई पड़े थे। जिसकी खबर वन विभाग को मिलते ही विभाग हरकत में आया और क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी। मादा तेंदुआ आसपास के क्षेत्र में ही होने की आशंका के चलते ग्रामीणों में दहशत थी। वन विभाग द्वारा कर्मचारियों की तैनाती कर वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए पहरा दिया जा रहा था। हालांकि, इतनी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद ग्रामीणों के मन में भय कम नहीं हो रहा था। इस मादा तेंदुए की दहशत इतनी थी कि ग्रामीण अपने खेतों में जाने से कतरा रहे थे। 9 अगस्त को वन विभाग ने मादा तेंदुए के लोकेश का पता कर पिंजरा लगाया और उसे कैद करने में सफलता हासिल की। तेंदुए के पिंजरे में कैद होने की खबर गांव में फैलते ही नागरिकों ने राहत की सांस ली।

कार ने मारी एसटी बस को टक्कर

गोंदिया : तिरोड़ा बस स्टैंड के सामने सर्विस रोड से आ रही तेज रफ्तार कार ने एसटी बस को टक्कर मार दी. हादसे में किसी भी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है और सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं. जानकारी के अनुसार, तुमसर डिपो की एसटी बस क्र. एमएच 40 वाय 5493 बालाघाट से गोंदिया होते हुए तुमसर जा रही थी. बस जब तिरोड़ा बस स्टैंड के पास मोड़ ले रही थी, तभी सर्विस रोड से एआर आ रही कार क्र. एमएच 36 1524 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बस को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में एसटी बस को नुकसान हुआ. घटना के समय बस में 14 यात्री सवार थे.

एकल महिलाओं को प्राथमिकता दें

संवाददाता / सड़क अर्जुनी

शासन आपके द्वार अभियान के तहत मिशन वात्सल्य समिति की बैठक तहसील कार्यालय में तहसीलदार इंद्रायणी गोमासे की अध्यक्षता में आयोजित हुई. बैठक में एकल महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए.

मिशन वात्सल्य समिति की बैठक में तहसीलदार गोमासे का निर्देश

बैठक में अशासकीय सदस्य अनिल मेश्राम ने एकल महिलाओं को मिलने वाली सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की. तहसीलदार ने अधिकारियों से पात्र महिलाओं तक सभी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने को कहा. जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजानन गोबाडे ने बताया कि तहसील में वर्तमान में 2,224 बच्चों को बाल संगोपन योजना का लाभ मिल रहा है, जबकि कोरोना प्रभावित 52 एकल महिलाओं के बच्चों को प्रतिमाह 4 हजार रु. की आर्थिक सहायता दी जा रही है. बैठक में 15 अगस्त से पहले उमेद योजना के अंतर्गत एकल महिलाओं के लिए रोजगार मेले का आयोजन करने का भी निर्णय लिया गया.

बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की पहल

संवाददाता / गोंदिया

शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार, 3 से 18 वर्ष तक के शाला बाह्य, अनियमित व प्रवासी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनकी निरंतर पढ़ाई के उद्देश्य से विशेष सर्वेक्षण अभियान चलाया गया. इस महत्वपूर्ण सामाजिक व शैक्षणिक अभियान में राजस्व, ग्राम विकास, नगर विकास, सामाजिक न्याय व विशेष सहायता, महिला व बाल विकास, श्रम, आदिवासी विकास, अल्पसंख्यक विकास, सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा गृह विभाग समेत विभिन्न विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है. जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान (डायट) प्राचार्य राजकुमार हिवारे, प्राथमिक शिक्षा अधिकारी पवन खंदारे, जिला समन्वयक (बालरक्षक) कुलदीपिका बोरकर, विषय साधन व्यक्ति वशिष्ठ खोब्रागडे तथा समाजसेवी सविता बेदरकर ने अन्नाभाऊ साठेनगर (कुडवा) व गोंडीटोला, कटंगी में पहुंचकर प्रत्यक्ष सर्वेक्षण किया. निरीक्षण के दौरान कई बच्चों को साइकिल की आवश्यकता महसूस हुई.

पात्र बच्चों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

श्रीगणेश प्रतिमाओं के निर्माण को गति

संवाददाता / गोंदिया

इस वर्ष 14 सितंबर को गणेशोत्सव है. जिसके लिए मूर्तिकार गणपति बाप्पा की मूर्तियों को आकार देने में जुटे हुए हैं. जिसके चलते इस वर्ष गणेशोत्सव को लेकर मंडलों में उत्साह देखा जा रहा है. उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर से गणेशोत्सव शुरू हो जाएगा. शहर सहित जिले में अन्य राज्यों से मूर्तिकार गणपति बाप्पा की मूर्तियां बनाने के लिए पहुंचे हैं. शहर के सिविल लाइन, गणेश नगर, यादव चौक व मुर्री में पेंडाल डालकर छोटी-बड़ी सभी प्रकार की मूर्तियां बना रहे हैं.

मूर्तिकारों का कहना है कि गणेश उत्सव समितियों द्वारा आर्डर मिलने पर बड़ी मूर्तियां बनाई जा रही है. इस बार विविध स्वरूप की मूर्तियां बनाई जा रही हैं. इस वर्ष महंगाई का असर भगवान गणेश की मूर्ति पर पड़ रहा है क्योंकि सरकार की ओर से हर वस्तुओं पर जीएसटी लगाई गई है. ऐसे में सजावटी सामग्री भी महंगी हुई है. श्रद्धालु भगवान गणपति के स्वागत की तैयारी में हैं, लेकिन इस बार समितियों पर अधिक भार पड़ सकता है. मूर्तिकारों ने बताया कि मिट्टी की कीमत बढ़ गई है, लकड़ी, बत्ता, बांस के दाम भी आसमान छू रहे हैं. मूर्ति सजावट के सामान व वस्त्र की कीमतें भी बढ़ गई हैं.

पोषाहार कामगारों को 2 माह से मानधन नहीं

स्पर्श प्रणाली के चलते भुगतान में देरी, ईंधन व सब्जी निधि भी लंबित

संवाददाता / गोंदिया

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के तहत स्कूलों में बच्चों के लिए पोषण आहार तैयार करने वाले एक हजार से अधिक रसोइया कामगारों का जून और जुलाई का मानधन अब तक नहीं मिला है. वहीं स्कूलों को पोषण आहार के लिए मिलने वाला ईंधन और सब्जी निधि भी कई महीनों से लंबित है. इससे योजना के सुचारु संचालन को लेकर परेशानी बढ़ गई है. प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के तहत स्कूलों में विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन दिया जाता है. अब तक इस योजना का भुगतान पीएफएमएस प्रणाली के माध्यम से किया जाता था. इसके तहत रसोइयों का मानधन तथा ईंधन व सब्जी भत्ता मुख्याध्यापकों के खातों में जमा होता था. लेकिन मार्च से शासन ने निधि वितरण के लिए एसएनए (एकल नोडल एजेंसी) प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए हैं. एसएनए प्रणाली केंद्र व राज्य प्रायोजित योजनाओं के निधि वितरण और निगरानी के लिए ऑनलाइन व्यवस्था है. इसके तहत प्रत्येक योजना के लिए राज्य स्तर पर एक मुख्य बैंक खाता रखा जाता है. नई प्रणाली लागू करने के तहत जिला परिषद स्कूलों के लिए सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत नए बैंक खाते भी खोले गए हैं. नई प्रणाली में भी पीएफएमएस की तरह सीधे खातों में निधि जमा की जानी है. पोषण आहार तैयार करने वाले रसोइया कामगारों को जून और जुलाई का मानधन अब तक नहीं मिला है. इसके अलावा पोषण आहार के लिए आवश्यक ईंधन और सब्जी भत्ते की अप्रैल, जून और जुलाई की राशि भी स्कूलों को प्राप्त नहीं हुई है.

विचारपुर में शाला व्यवस्थापन समिति का गठन

संवाददाता / गोंदिया

जिला परिषद हिंदी वरिष्ठ प्राथमिक पाठशाला, विचारपुर में शनिवार 8 अगस्त को पूर्व शाला व्यवस्थापन समिति के सदस्यों एवं अभिभावकों की उपस्थिति में पालक सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शाला व्यवस्थापन समिति 2026-28 का गठन शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। सभा में पाठशाला के प्रधानाचार्य, सभी शिक्षकगण, पूर्व शाला व्यवस्थापन समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। विद्यालय के शैक्षणिक विकास, विद्यार्थियों की प्रगति तथा विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच समन्वय को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से समिति का गठन किया गया।

नवनिर्वाचित समिति में भेरसिंह लिल्हारे को अध्यक्ष, पंचफुला कोसमे को उपाध्यक्ष तथा एम. ए. जमकाटन को सचिव चुना गया। सदस्य के रूप में लक्ष्मण नागपुरे, नंदकुमार मडावी, हुकुमचंद पडोती, विजय कुमार लिल्हारे, सुर्यप्रकाश साखरे, रतिराम कुंवर, अनिता वाढई, मंगतीन सोनकुकरा, कल्पना वाढई एवं राधिका नरवास शामिल हैं।

समिति में देवकुंवर लिल्हारे स्थानीय प्राधिकारी प्रतिनिधि, ओमप्रकाश लिल्हारे शिक्षणप्रेमी सदस्य तथा मच्छिंद्र बापू भिसे शिक्षक सदस्य के रूप में शामिल हैं। वहीं कुमार तेजस कुंवर विद्यार्थी प्रतिनिधि एवं कुमारी लेखिका कोकोटे विद्यार्थिनी प्रतिनिधि के रूप में समिति का हिस्सा हैं। नवनिर्वाचित समिति के गठन के पश्चात पूर्व शाला व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश लिल्हारे एवं अन्य सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सहित सभी सदस्यों का अभिनंदन कर शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर नवनिर्वाचित समिति से विद्यालय के विकास, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति तथा विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की गई। पालक सभा में विद्यालय के विकास एवं विद्यार्थियों के हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

गौमाता की पूजा कर मनाया जन्मदिन

गौमाता की सेवा से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति : सांसद राजेन्द्र जैन

संवाददाता / गोंदिया

अपने जन्मदिन के पावन अवसर पर सांसद राजेंद्र जैन ने श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा (गौशाला-पांजरापोल), पिंडकेपार रोड, गोंदिया पहुंचकर गौमाता का विधिवत पूजन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गौसेवा श्रद्धा, भक्ति और समर्पण का प्रतीक है. गौमाता की सेवा से जीवन में सुख-सौभाग्य के साथ मन को अद्भुत शांति प्राप्त होती है. इस अवसर पर राजेंद्र जैन का राज्यसभा सांसद के रूप में अविरोध निर्वाचित होने पर समिति की ओर से सत्कार किया गया. इस अवसर पर सुरेशकुमार अग्रवाल परिवार द्वारा (गुडाखू वाले) स्व. राम करण अग्रवाल की स्मृति में निर्मित गौमाता के दाना चारा गोडाऊन का लोकार्पण व सांसद प्रफुल पटेल के प्रयासों से श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा (गौशाला) की सुरक्षा दीवार निर्माण का भूमिपूजन राजेंद्र जैन के हस्ते संपन्न हुआ. इस अवसर

पर सर्वश्री राजेंद्र जैन, शंकरलाल अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, रमाकांत अग्रवाल, दिनेश जयपुरिया, गुलाबचंद पोद्दार, शैलेंद्र लेकरिया, राजेश व्यास, नरेश जैन, निखिल जैन, संजय काला, संतोष काला, वृषभ काला, रोहित जैन, हर्षल पवार, राजेश अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, राम अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, लकी केडिया, दिनेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक व विश्वस्त मंडल के सदस्य उपस्थित थे.

संपादकीय

बचाएं बचपन

बच्चों पर सोशल मीडिया की स्वच्छंदता से पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर भारतीय अभिभावक, शिक्षक व समाजविज्ञानी लंबे अरसे से गंभीर चिंता जताते रहे हैं। यह प्रभाव कितना भयावह व घातक है, ये बात पश्चिमी देशों की सरकारों, समाज व अदालतों को अब समझ में आई है। बच्चे समय से पहले परिपक्व हो रहे हैं। किशोरों की यौन हिंसा और वयस्कों जैसे अपराधों में संलिप्तता, इसके घातक प्रभावों की बानगी है। सोशल मीडिया पर बच्चों की नजर से ऐसे वीडियो गुजरते हैं, जिसमें स्वच्छंद यौन व्यवहार होता है। कुछ लोग व कंपनियां मुनाफे के लिए ऐसे वीडियो अपलोड कर रहे हैं, जो भारतीय संस्कृति में पवित्र माने जाने वाले पारिवारिक रिश्तों, गुरु-शिष्य संबंधों और डॉक्टर मरीज के रिश्तों के वर्जित क्षेत्रों का अतिक्रमण करते नजर आते हैं। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि कोरी स्लेट जैसे बालमन पर इसका कितना घातक असर पड़ता होगा? उसे पवित्र रिश्तों की दरकन और यौन-स्वच्छंद तथा गंभीर अपराध आम नजर आने लगते हैं। अमेरिका तथा कुछ अन्य विकसित देशों के स्कूलों में दना-दन गोलियां चलाते बच्चे इंटरनेट पर प्रसारित घातक सामग्री देखने से उपजी सनक की ही देन है। निस्संदेह, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा हेतु डिजिटल दुनिया को साफ-सुथरा रखने की जरूरत है। यही वजह है कि एक अमेरिकी अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मातृ संस्था मेटा पर ५,३९० करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना ज्यादा नहीं है क्योंकि पिछले साल कंपनी ने साठ अरब डॉलर का मुनाफा कमाया।

दरअसल, मेटा पर जुर्माना लगाने से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि अदालत ने कंपनी को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये अपने प्लेटफॉर्म में बदलाव करने को कहा है। दरअसल, न्यू मेक्सिको की अदालत ने स्वीकारा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिये घातक हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के कई राज्यों में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमें चल रहे हैं। फ्रांस व आस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया पर सक्रियता को लेकर बच्चों की उम्र की सीमा तय की गई है। हकीकत यह है कि कंपनी ने ये प्लेटफॉर्म अपने मुनाफे के लिये इस तरह तैयार किए हैं ताकि बच्चों को इसकी लत लग जाए। पिछले दिनों भारत सरकार ने मेटा के अधिकारियों को बुलाकर विरोध जताया था कि उसके एक प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापन भारी मुनाफा कमाकर प्रसारित किए गए। अमेरिकी अदालत ने भी माना है कि मेटा के प्लेटफॉर्म बच्चों को यौन शोषण से बचाने में विफल रहे हैं। यही वजह कि कोर्ट ने लगाए गए जुर्माने की राशि का एक भाग ऐसे पीड़ितों को मुआवजे के तौर पर देने के आदेश दिए हैं। समय आ गया है कि सोशल मीडिया कंपनियों को सामाजिक जवाबदेही के लिये बाध्य किया जाए। लेकिन यह नहीं हो कि अमेरिका के बच्चों के लिये अलग कानून और विकासशील व गरीब मुल्कों के बच्चों के लिये अलग कानून हो। हमारी सरकारों को भी इन सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर गैर-कानूनी सामग्री प्रसारित करने के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना होगा।

सड़कों पर आवारा पशुओं के डेरे से वाहनचालक परेशान

मवेशियों से बढ़ा हादसों का खतरा, भाकपा ने की प्रशासन से कार्रवाई की मांग

भद्रावती : शहर के मुख्य मार्गों, चौक, बाजार, बस स्टैंड परिसर और रिहायशी इलाकों में आवारा कुत्तों, गाय, बैल समेत अन्य पशुओं का जमावड़ा बढ़ गया है. इससे नागरिकों की सुरक्षा के साथ यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है. आवारा पशुओं का तत्काल बंदोबस्त कर उन्हें सड़कों पर छोड़ने वाले पशु मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने पूर्व पार्षद राजू गैनवार के नेतृत्व में नगर परिषद के उपमुख्याधिकारी विजयकुमार जांभुलकर को सौंपे ज्ञापन में की है.

ज्ञापन में कहा गया है कि शहर के प्रमुख मार्गों, चौक, बाजारों और रिहायशी क्षेत्रों में दिन-रात आवारा पशुओं के घूमने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है. कई स्थानों पर पशु सड़क के बीचोंबीच बैठ जाते हैं. इससे यातायात बाधित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है. दोपहिया वाहन चालकों, पैदल राहगीरों, विद्यार्थियों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए नगर परिषद से विशेष अभियान चलाकर आवारा पशुओं का स्थायी बंदोबस्त करने तथा पशु मालिकों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है.

शहर में आवारा कुत्तों की समस्या भी दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है. कई नागरिकों को कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं. कुत्तों के अचानक पीछे पड़ने से दोपहिया वाहन चालकों का नियंत्रण बिगड़ने और दुर्घटना होने का खतरा बढ़ गया है. शहर के नागरिकों की जान पर यह खतरा बन रही इस गंभीर समस्या पर नगर परिषद और पुलिस प्रशासन को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है. ज्ञापन देते समय अरविंद कुमार कैप्टन, रवींद्र गैनवार, सुनील रामटेके, रवींद्र तराले उपस्थित थे. समस्या पर शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो तीव्र आंदोलन करने की चेतावनी पार्टी के पदाधिकारियों ने दी है.

न.प. और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम गठित करें

आवारा पशुओं का स्थायी बंदोबस्त करने के लिए नगर परिषद और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम गठित कर नियमित कार्रवाई करने की मांग की गई है. सड़कों पर पशुओं को खुलेआम छोड़ने वाले मालिकों की पहचान कर संबंधित कानूनों के तहत उनके खिलाफ दंडात्मक एवं कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए. बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाले पशु मालिकों पर कड़ी कार्रवाई कर उन्हें सबक सिखाने की मांग भी की गई. इसके अलावा शहर के प्रमुख चौक, बाजार, बस स्टैंड परिसर और स्कूलों के आसपास विशेष अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को तत्काल हटाने की मांग भाकपा की ओर से की गई है. पार्टी ने नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए इस कार्रवाई को नियमित रूप से चलाने पर जोर दिया है.

बाइक में घुसे सांप को वन्यजीव प्रेमी ने बचाया

संवाददाता । नागपुर

राजनगर क्षेत्र में रात करीब 8 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब दो युवकों को चलती बाइक में अचानक हलचल और सरसराहट की आवाज सुनाई दी. दोनों युवकों ने तुरंत बाइक रोककर जांच की तो वाहन के अंदर एक सांप छिपा हुआ दिखाई दिया. सांप को देखते ही दोनों युवक घबरा गए और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई.

घटना की सूचना मिलते ही वाइल्ड एनिमल्स एंड नेचर हेल्पिंग सोसायटी के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध वाइल्डलाइफ रेस्क्यूअर शुभम जी.आर. को मौके पर बुलाया गया. शुभम ने सावधानी और साहस का परिचय देते हुए बाइक के भीतर छिपे सांप को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया. काफी सतर्कता से किए गए इस अभियान के बाद सांप को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया. शहर में इन दिनों बारिश के कारण रिहायशी इलाकों में सांप निकलने की घटनाएं बढ़ गई हैं. ऐसे में नागरिकों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है.

नीरी झर से बुझ रही बाढ़ प्रभावितों की प्यास

नागपुर से वैज्ञानिकों की एक टीम पहुंची असम, कर रही मदद

नागपुर : असम में बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए नागपुर से राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) की वैज्ञानिकों की एक टीम जोरहाट जिले के जोनाकीमंडल गांव गई हुई है. वहां बाढ़ प्रभावित लोगों को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के लिए इंस्टेंट वाटर फिल्टर 'नीरी झर' की व्यवस्था की गई.

राहत कार्य के अंतर्गत ७० घरेलू इकाइयां और २० सामुदायिक नीरी झर इकाइयां जोरहाट के जिला आयुक्त को बाढ़ प्रभावित आबादी में वितरण के लिए सौंपी गईं. इसे बनाने के लिए नीरी नागपुर के वैज्ञानिकों ने एनईआईएसटी, जोरहाट के दल की मदद की. इन इकाइयों को औपचारिक रूप से नीरी नागपुर के निदेशक डॉ. एस. वेंकट मोहन और एनईआईएसटी, जोरहाट के निदेशक डॉ. वी. एम. तिवारी द्वारा सौंपा गया.

नीरी झर का निर्माण स्वदेशी आपातकालीन जलशोधन तकनीक के आधार पर तैयार की गई है. बाढ़ के दौरान उपलब्ध जलस्त्रोतों के दूषित होने से पेयजल संकट निर्माण हो जाता है. डॉ. एस. वेंकट मोहन ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि नीरी का ध्येय ही आम नागरिकों की मदद करना है. इस ध्येय की पूर्ति के लिए टीम असम पहुंची है.

पूरी गतिविधि नीरी के निदेशक डॉ. एस. वेंकट मोहन और डॉ. पारस पुजारी के मार्गदर्शन में संचालित की गई. इस पहल का नेतृत्व नीरी के वैज्ञानिक डॉ. अतुल मालधुरे ने किया. उनके साथ के वैज्ञानिक डॉ. अमृत कुमार, डॉ. रीमा बिस्वास और डॉ. अभिषेक बिसारिया तथा एनईआईएसटी, जोरहाट के डॉ. धनजीत दास, डॉ. सुमित सिंह और उनकी टीम ने सक्रिय रूप से योगदान दिया.

आरंभ में जोरहाट जिले के जोनाकीमंडल गांव में प्रभावित लोगों के लिए पांच घरेलू और पांच सामुदायिक नीरी झर इकाइयों का प्रदर्शन किया गया तथा उनका वितरण किया गया. सभी नीरी झर की इकाइयों को एनईआईएसटी, जोरहाट में स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करके केवल दो दिनों में तैयार किया गया. यह तकनीक की अनुकूलन क्षमता तथा आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में इसके तेजी से उपयोग की संभावनाओं को दर्शाता है.

पुलगांव-विजयगोपाल मार्ग पर गड्ढों का साम्राज्य

जगह-जगह गड्ढे पड़ने से बदहाल पुलगांव-विजयगोपाल मार्ग

पुलगांव : पुलगांव से विजयगोपाल को जोड़ने वाला करीब १५ किलोमीटर लंबा मार्ग आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क सड़क है. आपटी, वाघोली सहित कई गांवों के नागरिक इसी मार्ग से आवागमन करते हैं. लेकिन वर्तमान में सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि 'सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क?' यह सवाल वाहन चालकों और ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बन गया है.

सड़क की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है. जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं और सड़क का डामरी हिस्सा उखड़ चुका है. बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भरने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है. ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों के साथ ही चारपहिया और भारी वाहनों को भी बेहद सावधानी से गुजरना पड़ रहा है. पुलगांव-विजयगोपाल मार्ग पर वाहन चलाना इन दिनों किसी चुनौती से कम नहीं है. सड़क पर बने गड्ढों से बचने के लिए वाहन चालकों को बार-बार दिशा बदलनी पड़ती है. सामने से वाहन आने पर स्थिति और गंभीर हो जाती है. खासकर

रात के समय और बारिश के दौरान दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है.

सड़क की समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण इसकी हालत लगातार खराब होती गई. अब सड़क की मरम्मत के बजाय बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण की आवश्यकता महसूस हो रही है. पुलगांव से विजयगोपाल के बीच कई स्थानों पर सड़क तलाशनी पड़ती है. बड़े-बड़े गड्ढों के कारण सड़क का वास्तविक स्वरूप ही दिखाई नहीं देता. नागरिकों का आरोप है कि संबंधित विभाग की ओर से सड़क की हालत पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है. विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है और किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है. जिससे इस ओर ध्यान देकर सड़क निर्माण की मांग की जा रही है.

कन्हान नदी में मिला लापता युवक का शव

हत्या या आत्महत्या की गुत्थी बरकरार

नागपुर/ खापरखेड़ा : खापरखेड़ा थाने के तहत भानेगांव शिवार स्थित कन्हान नदी के पात्र में शनिवार को एक ३० वर्षीय युवक का शव मिला. मृतक की शिनाख्त पांजरा गांव का निवासी अमोल दशरथ चेट्टे के रूप में हुई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार अमोल शुक्रवार से लापता था. उसका शव शनिवार ८ अगस्त को खापरखेड़ा के भानेगांव शिवार के पास कन्हान नदी में मिला. नदी में शव तैरता दिखाई देने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी. जिसके बाद खापरखेड़ा पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए मेयो अस्पताल भेजा था. कन्हान नदी में शव मिलने के बाद प्रारंभिक तौर पर उसकी पहचान नहीं हो सकी थी.

पुलिस ने मृतक का फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित किया. यह फोटो देखकर हार्डवेयर व्यवसायी लखन पटेल और नीलेश घोरमाड़े ने मृतक की पहचान अमोल के रूप में की. इसके बाद पुलिस ने अमोल के भाई से संपर्क कर घटना की जानकारी दी. अमोल कोठारी पीवीसी पाइप कंपनी के डीलर के यहां कार्यरत था. इससे पहले वह प्लास्टो कंपनी में भी काम कर चुका था. शुक्रवार को वह मोबाइल फोन और बैग लेकर घर से निकला था. उसकी मोटरसाइकिल घर पर ही थी. इसके बाद वह वापस नहीं लौटा. अमोल अविवाहित बताया जाता है. उसके परिवार में उसकी मां और दो छोटे भाई हैं.

जांच में जुटी पुलिस

अमोल की मौत हत्या है या आत्महत्या? फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है. पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. शव का पोस्टमार्टम कराया गया है और रिपोर्ट का इंतजार है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर ही युवक की मौत के वास्तविक कारण का खुलासा होने की संभावना है. खापरखेड़ा पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है.

गड्ढों में बैठकर ग्रामीणों का वर्धा में अनोखा चक्का जाम

उमरी मेघे से मांडवा तक लगभग १६ किमी सड़क की हालत बदतर

वर्धा : जिले के देवली-पुलगांव विधानसभा क्षेत्र में उमरी मेघे से मांडवा तक लगभग १६ किलोमीटर लंबी सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश आखिरकार सड़क पर उतर आया. झाड़गांव, बेलगांव, दिग्ग्रस, बोरगांव और सावली सहित आसपास के गांवों के नागरिकों ने गुरुवार को सड़क पर चक्का जाम आंदोलन किया.

आंदोलन की खास बात यह रही कि ग्रामीण सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया.

उमरी मेघे से मांडवा तक की सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है. जगह-जगह बड़े गड्ढे होने के कारण रोजाना वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं. ग्रामीणों ने पालकमंत्री एवं खनिकर्म राज्यमंत्री डॉ. पंकज भोयर तथा स्थानीय विधायक राजेश बकाने पर भी इस गंभीर समस्या की अनदेखी करने का आरोप लगाया. यदि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में इससे भी बड़ा और तीव्र आंदोलन किया जाएगा, ऐसी चेतावनी ग्रामीणों ने दी.

शिकायतें बेअसर, समस्या जस की तस

बारिश के मौसम में इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों के पलटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं. कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो सड़क की मरम्मत की गई और न ही प्रशासन ने इस गंभीर समस्या पर ध्यान दिया. क्षेत्र में संचालित अवैध खदानों से निकलने वाले भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, लेकिन संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की.

700 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली रैली

'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष से गूंज उठा शहर

नागपुर : केंद्र सरकार के हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को तिरंगा रैली निकाली गई. रैली के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष से शहर के चौराहे गूंज उठे. क्रांति दिवस के अवसर पर देशभक्ति के माहौल में निकली इस रैली ने पूरे शहर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया.

रैली की शुरुआत रामनगर चौक स्थित बाजीप्रभु देशपांडे की प्रतिमा से हुई. महापौर नीता ठाकरे ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया. रामनगर से शुरू हुई यह रैली लक्ष्मी भवन चौक होते हुए शंकर नगर चौक पहुंची. रैली का मुख्य आकर्षण ७०० मीटर लंबा तिरंगा रहा, जो नागरिकों की अनुशासित भागीदारी के बीच पूरे मार्ग पर शान से लहराता रहा.

तिरंगा रैली में राज्य के राजस्व मंत्री एवं जिले के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, महापौर नीता ठाकरे, विधायक कृष्णा खोपड़े, विधायक प्रा. संजय भेंडे, भाजपा शहर अध्यक्ष दयाशंकर तिवारी, सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष शेरसिंह डागोर, उपमहापौर लीला हाथीबेड, स्थायी समिति सभापति शिवानी दाणी, सत्तापक्ष नेता बाल्या बोरकर, परिवहन समिति सभापति मंगला खेकरे विशेष रूप से उपस्थित थे. वहीं अतिरिक्त आयुक्त मिलिंद मेश्राम, सहायक आयुक्त राजकुमार मेश्राम, शिक्षा अधिकारी वंदना महाजन, क्रीड़ा अधिकारी पीयूष आंबुलकर, एनडीएस पथक प्रमुख वीरसेन तांबे आदि उपस्थित थे.

दयाशंकर तिवारी ने क्रांति दिवस के बारे में बताया. महापौर ठाकरे ने कहा कि नई पीढ़ी को स्वतंत्रता के महत्व से परिचित कराने और उनमें देशसेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से इस तिरंगा रैली का आयोजन किया गया है.

पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए विद्यार्थी

रैली में सबसे आगे नागरिक ७०० मीटर लंबा तिरंगा हाथों में लेकर चल रहे थे. इसके बाद पूर्व सैनिक, अग्निशमन दल के जवान, एनडीएस के जवान तथा वाल्मीकि नगर हिंदी माध्यमिक विद्यालय, विवेकानंद हिंदी माध्यमिक विद्यालय और शिवणगांव मराठी विद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न वेशभूषाओं में रैली में शामिल हुए. इस अवसर पर पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य और गुरु तेग बहादुर सिंह साहिब गुरुद्वारा की ओर से किए गए हथियारों के प्रदर्शन विशेष आकर्षण रहे.

आर्वी-आष्टी-कारंजा तहसील के मरीजों को वर्धा-नागपुर की दौड़ से राहत

तलेगांव में 300 बिस्तरों के अत्याधुनिक अस्पताल के भूमिपूजन पर मंत्री बावनकुले का वक्तव्य

वर्धा : आष्टी तहसील के तलेगांव (श्यामजीपंत) में ३०० बिस्तरों के अत्याधुनिक अस्पताल के निर्माण का भूमिपूजन राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के हाथों किया गया. करीब ३०,०९९ वर्ग मीटर क्षेत्र में १५५ करोड़ ८४ लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस अस्पताल से आर्वी, आष्टी, कारंजा तहसील सहित आसपास के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी. विधायक सुमित वानखेड़े के प्रयासों से अस्पताल को मंजूरी मिली है.

भूमिपूजन कार्यक्रम में राजस्व मंत्री बावनकुले ने कहा कि अस्पताल के निर्माण के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है. अस्पताल शुरू होने के बाद गंभीर बीमारी, दुर्घटना और विशेष उपचार के लिए क्षेत्र के नागरिकों को वर्धा अथवा नागपुर जाने की आवश्यकता काफी हद तक कम होगी. इससे ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को समय पर उपचार मिलने के साथ ही वर्धा और नागपुर के बड़े अस्पतालों पर मरीजों का दबाव भी कम होगा. कार्यक्रम के दौरान ऊर्ध्व वर्धा परियोजना के अंतर्गत आष्टी उपसा सिंचाई योजना का ई-भूमिपूजन भी किया गया.

तीन मंजिला अस्पताल में अस्पताल भवन के साथ प्रशासनिक इमारत तथा चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा विकसित की जाएगी. परिसर में जलापूर्ति, वर्षा जल संचयन, वातानुकूलित लिफ्ट, सीसीटीवी निगरानी, शवागार, सुरक्षा कक्ष, पंप हाउस, विद्युत उपकेंद्र, ऑक्सीजन शेड, मेडिकल गैस पाइपलाइन, पार्किंग और आंतरिक सड़कों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. अस्पताल में पंजीकरण केंद्र, बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विभाग, आपातकालीन विभाग, रेडियोलॉजी, सीटी स्कैन, सोनोग्राफी और औषधि वितरण केंद्र होंगे. मरीजों के लिए महिला व पुरुषों के अलग-अलग वार्ड, बर्न वार्ड, अतिदक्षता विभाग (आईसीयू), महिला संक्रामक रोग वार्ड तथा ब्लड बैंक की सुविधा रहेगी. इसके अलावा चार अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर, निर्जंतुकीकरण विभाग और लिक्विड ऑक्सीजन टैंक भी प्रस्तावित हैं. कार्यक्रम में विधायक सुमित वानखेड़े, जिलाधिकारी वानमथी सी., जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग सोमन, पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार अग्रवाल, पूर्व सांसद रामदास तडस, सुरेश वाघमारे, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय गाते, सुधीर दिवे व पदाधिकारी उपस्थित थे.

आष्टी सिंचाई योजना से १४ गांवों को फायदा

स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ ही क्षेत्र की कृषि व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आष्टी उपसा सिंचाई योजना का भी भूमिपूजन किया गया. यह योजना मोर्शी स्थित ऊर्ध्व वर्धा परियोजना के अंतर्गत आती है. योजना ऊर्ध्व वर्धा परियोजना की बायीं नहर पर चेन क्रमांक १८,३०० मीटर पर स्थित है. इस योजना के तहत दो पंपगृह बनाए जाएंगे. पंपगृह क्रमांक-२ के वितरण कुंड के माध्यम से आष्टी का १५५ हेक्टेयर क्षेत्र तथा आसपास के १३ गांवों का १,९०३ हेक्टेयर क्षेत्र सिंचाई के दायरे में आएगा. आष्टी के साथ थार, किन्ही, करोला, चामला, बोरखेड़ी, नागझरी, बांबडा, बोटोणा, वाघोड़ा, वाड़ी, पलसोना, सारवाड़ी और तरोड़ा गांव इस योजना से लाभान्वित होंगे.

समस्याओं को लेकर राज्यमंत्री से चर्चा

वरोरा : वरोरा-भद्रावती तहसील के वेकोलि क्षेत्र की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान के लिए शिवसेना (शिंदे गुट) के लोकसभा संगठक मुकेश जीवतोड़े ने पहल की. नागपुर के रविभवन में राज्य के राज्यमंत्री एड. आशीष जायसवाल की मौजूदगी में वेकोलि प्रशासन के साथ बैठक हुई.

बैठक में माजरी, नागलोन, एकोणा, केपीसीएल, अरविंतो और बेलगांव कोयला खदान क्षेत्रों की समस्याएं उठाई गईं. कोयला उत्खनन से होने वाले प्रदूषण, फसलों के नुकसान, स्थानीय युवाओं को रोजगार, परियोजना प्रभावित गांवों का पुनर्वास, सीएसआर निधि से गांवों का विकास तथा कोयला परिवहन से खराब हो रही सड़कों के मुद्दे पर चर्चा हुई. जीवतोड़े ने वेकोलि और संबंधित ठेका कंपनियों में कार्यरत स्थानीय श्रमिकों की समस्याओं, शोषण और अन्याय का मुद्दा भी उठाया. उन्होंने किसानों, युवाओं, परियोजना प्रभावित नागरिकों और श्रमिकों की समस्याओं पर तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की है.

इस दौरान मंत्री अधि. आशीष जायसवाल ने सभी मुद्दों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए वेकोलि प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए. साथ ही लंबित समस्याओं पर आगे की उपाययोजना तय करने के लिए जल्द ही बैठक आयोजित करने की बात भी कही. इस दौरान वरोरा, भद्रावती क्षेत्र के नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे.

पालकमंत्री डॉ. भोयर ने ली स्वास्थ्य विभाग की बैठक

शहर में वार्डवार आयुष्मान कार्ड पंजीयन मुहिम पर जोर

संवाददाता । वर्धा

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है. इसके माध्यम से आम नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं. जिले में अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को इस योजना का लाभ मिले, इसके लिए शहरी क्षेत्रों में वार्डवार विशेष अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड का पंजीयन बढ़ाया जाए, ऐसे निर्देश पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने दिए. जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में जिला स्तरीय

एकात्मिक स्वास्थ्य वर्धिनी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में विधायक सुमित वानखेडे, जिलाधिकारी वान्मथी सी, सीईओ पराग सोमण, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. सुमंत वाघ, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वप्नील बेले, कुष्ठरोग सहायक संचालक डॉ. पराडकर उपस्थित थे.

पालकमंत्री ने कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान कार्ड पंजीयन का प्रमाण 90 प्रतिशत से अधिक है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह अपेक्षाकृत कम है. इसलिए नगरसेवकों के सहयोग से वार्डवार अभियान चलाया जाए. इसके लिए जिले के सभी नगरसेवकों, तहसीलदारों, खंड विकास अधिकारियों और मुख्याधिकारियों की स्वतंत्र बैठक आयोजित करने के निर्देश भी उन्होंने दिए. उन्होंने सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में सुविधाओं को और आधुनिक बनाने तथा आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने को कहा. प्रस्ताव को स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष रखकर आवश्यक सुविधाओं के लिए प्रयास किए जाएंगे. अस्पतालों में चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही सभी ऑपरेशन थिएटरों को सुचारु एवं उपयोग योग्य रखने के निर्देश भी दिए.

स्वास्थ्य संस्थाओं की मरम्मत की मांग विधायक वानखेडे ने नई वीबीजी रामजी योजना के माध्यम से स्वास्थ्य संस्थाओं की मरम्मत जैसे कार्य प्रस्तावित करने की मांग की. उन्होंने आष्टी तहसील के लिए अतिरिक्त 108 एंबुलेंस, कारंजा ट्रॉमा केयर सेंटर को पूर्ण क्षमता से शुरू करने करने की मांग की.

सोलर प्रणाली के नुकसान को लेकर गंभीर

जिले के अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सोलर प्रणाली स्थापित की गई है. बंदरों के कारण कुछ स्थानों पर सोलर प्रणाली को नुकसान पहुंचने की शिकायतों को देखते हुए भविष्य में सोलर संयंत्रों के चारों ओर सुरक्षा जाली लगाने तथा संबंधित ठेकेदार पर दस वर्षों तक रखरखाव की जिम्मेदारी तय करने की बात पालकमंत्री ने कही. साथ ही दिसंबर तक जिले को क्षयरोग मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए.

जर्जर पुलिया को लेकर उग्र आंदोलन

संवाददाता । गड़चिरोली

एटापल्ली तहसील के मरपल्ली गांव जाने वाले मार्ग पर स्थित नाले के पुल की जर्जर स्थिति एक बार फिर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नागरिकों की जान जोखिम में होने के बावजूद प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है. इसी के विरोध में ग्रामीण रविवार को सीधे नाले में उतर गए और आंदोलन किया.

ग्रामीणों के अनुसार मरपल्ली मार्ग पर स्थित नाला तथा पुलिया की हालत काफी दयनीय हो चुकी है. बारिश के दिनों में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. पुल की मरम्मत के लिए कई बार प्रशासन को पत्र दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है. एटापल्ली तहसील कांग्रेस के प्रमुख नेता तथा स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रज्वल नागूलवार के नेतृत्व में भूमिया फकरी रापंजी, बम्मा रापंजी, किशोर मज्झी, शिवाजी लेकामी, मधुकर रापंजी, सत्तू पुंगाटी, मनीष हेडो, करण हेडो, करण हलामी, मोतीराम गावडे, मधुकर मितलामी, निलेश लेकामी, रमेश बावणे, सुधाकर रापंजी, लालूजी लेकामी, गणेश कुळयेटी, अभिजीत सिडाम, वाडुजी लेकामी,

नरेश लेकामी, विलास हिचामी सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया.

कई बार लिखित रूप से कराया अवगतः आंदोलनकारियों ने कहा कि उन्होंने कई बार शासन-प्रशासन को लिखित रूप से अवगत कराया है, लेकिन पुल की मरम्मत को लेकर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन किसी नागरिक की जान जाने के बाद ही जागेगा? ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अगले 10 दिनों के भीतर पुल की मरम्मत के संबंध में लिखित और ठोस आश्वासन नहीं मिला, तो वे इसी नाले में बेमियादी अनशन शुरू करेंगे. इस दौरान निष्क्रिय प्रशासन के विरोध में लगाए गए नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा. आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कहा कि अब उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि पुल की मरम्मत का वास्तविक कार्य शुरू होता हुआ दिखाई देना चाहिए.

रोजगार सहायक परिवार को वित्तीय मदद

सामाजिक पहल की विभिन्न स्तरों पर की जा रही सराहना

संवाददाता । कुरखेड़ा

ग्राम पंचायत में पिछले कई वर्षों से अल्प मानधन पर रोजगार गारंटी योजना के कार्यों को ईमानदारी तथा निष्ठा से निभाते हुए अपने परिवार का भरण-पोषण करनेवाले रोजगार सहायक चांदागड निवासी ज्ञानेश्वर पुराम का अल्प बीमारी के चलते निधन हो गया. उनके निधन से पुराम परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है.

स्व. ज्ञानेश्वर पुराम के परिवार को वित्तीय सहयोग करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत रोजगार सहायक संगठना, तहसील कुरखेड़ा की ओर से 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई. इस दौरान उपस्थित मान्यवरों ने स्व. ज्ञानेश्वर पुराम के कार्यों को याद करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया. सहकर्मियों ने स्वेच्छा से आर्थिक

योगदान देकर सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का परिचय दिया. इस सहायता से संकट की घड़ी में पुराम परिवार को काफी राहत मिली है.

इस अवसर पर पंचायत समिति कुरखेड़ा के रवि राऊत, तहसील कार्यालय कुरखेड़ा के देवीदास राऊत, पंचायत समिति कुरखेड़ा के विश्वबोधी कराडे, ग्राम रोजगार सेवक संगठना गडचिरोली के अध्यक्ष मंगेश फुकटे, नेताजी राऊत, ग्राम पंचायत अधिकारी बनसोड, प्रशासक चुरगाये, ग्राम पंचायत सदस्य धुर्वे, पूर्व विमुस अध्यक्ष मेश्राम, विमुस अध्यक्ष जुमनाके, वर्षा पुराम, ग्राम पंचायत रोजगार सहायक तहसील अध्यक्ष जालंदर बोदेले, मुंशीलाल लाडे, चंद्रशेखर मेश्राम, नितेश मुरकुटे, रविंद्र मारगाये, भास्कर झोडे, सचिन साहरे, आकाश लोणारे सहित तहसील के रोजगार सहायक संघटना के सदस्य तथा ग्राम पंचायत कर्मचारी शामराव कांबली आदि उपस्थित थे. संकट के समय सहकर्मियों द्वारा दिखाई गई सहयोग की भावना से पुराम परिवार को व्यापक सहायता मिली है. इस सामाजिक पहल की विभिन्न स्तरों पर सराहना की जा रही है.

२० वर्षों से वाघेडा में गांव में है शराबबंदी

गड़चिरोली : आधुनिकता के दौर में बढ़ती नशे की लत चिंता का विषय बनी हुई है. ऐसे समय में कुरखेड़ा तहसील के वाघेडा गांव ने शराबबंदी का एक प्रेरणादायी उदाहरण पेश किया है. करीब 450 की आबादी वाला यह छोटा-सा गांव पिछले 20 वर्षों से पूरी तरह शराबमुक्त है. ग्रामीणों की निरंतर एकजुटता के कारण आज तक गांव में शराबबंदी सफलतापूर्वक कायम है. करीब 2 दशक पहले गांव के महिला बचत समूहों की महिलाओं ने समाज के लिए घातक साबित हो रही शराब बिक्री के खिलाफ एकजुट होकर मोर्चा संभाला था. महिलाओं के इस दृढ़ निर्णय के बाद गांव में शराब की बिक्री पूरी तरह बंद कर दी गई. शुरुआत में महिलाओं द्वारा लिया गया यह फैसला आगे चलकर ग्रामीणों के सहयोग से एक बड़े सामाजिक आंदोलन में बदल गया. गांव में पिछले 20 वर्षों से जारी शराबबंदी को कायम रखने और नई पीढ़ी को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से मुक्तिपथ अभियान के तहत लगातार विभिन्न जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किए गए. गांव में सघन ग्रामभेंट अभियान चलाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया. शक्ति पथ महिला संगठन और महिलाओं की विशेष बैठक आयोजित की गई.

दहेगांव मिस्कीन की वारदात, पुलिस ने ३ को किया

युवक पर चाकू व लकड़ी से हमला

संवाददाता । वर्धा

मामूली बात को लेकर हुए विवाद में तीन हमलावरों ने एक युवक पर चाकू और लकड़ी से जानलेवा हमला कर दिया. हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. यह वारदात शनिवार देर रात समीपस्थ दहेगांव (मिस्कीन) में सामने आने के बाद हड़कंप मच गया. सावंगी (मेघे) पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया. रविवार को उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से 11 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया. घायल युवक का नाम प्रफुल्ल उईके बताया गया है. उसका सेवाग्राम स्थित अस्पताल में उपचार चल रहा है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल प्रफुल्ल उईके गांव निवासी अविनाश ससाने के मकान के सामने लघुशंका कर रहा था. इस बात पर अविनाश की मां शालू ससाने ने उसे फटकार लगाई. इससे नाराज होकर प्रफुल्ल ने शालू ससाने को धक्का दे दिया. इसकी जानकारी अविनाश को मिलते ही उसने वर्धा से अपने मित्र सुजित नेहारे और विवेक पलटनकर को गांव में बुलाया. इसके बाद तीनों ने मिलकर गांव के बस स्टैंड के पास प्रफुल्ल उईके के साथ मारपीट शुरू कर दी. आरोपियों ने चाकू और लकड़ी से उस पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए.

घटना की सूचना मिलते ही सावंगी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. ग्रामीणों की मदद से घायल प्रफुल्ल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसे आगे के उपचार के लिए सेवाग्राम अस्पताल रेफर किया गया. मामले में आगे की जांच थानेदार विनोद गिरी के मार्गदर्शन में पीएसआई गोपाल शिंदे कर रहे हैं.

रेगड़ी के पर्यटनस्थल की अनदेखी

गड़चिरोली : चामोर्शी तहसील के रेगड़ी में स्थित जिले के एकमात्र व सबसे बड़े कर्मवीर कन्नमवार जलाशय पर्यटन के दृष्टि से व्यापक महत्वपूर्ण होने के बावजूद इस पर्यटनस्थल की ओर अनदेखी हो रही है. सरकार व प्रशासन के अनदेखी के चलते इस परिसर के नागरिकों में नाराजगी फैली है. सरकार इस ओर ध्यान देकर रेगड़ी के जलाशय परिसर का विकास कर उसे अधिकृत पर्यटनस्थल का दर्जा दे तथा यहां बोटिंग सुविधा शुरू करने की मांग हो रही है.

गड़चिरोली जिले के चामोर्शी तहसील के रेगड़ी परिसर में कन्नमवार जलाशय स्थित है. यह जलाशय जिले का एकमात्र जलाशय है. इस जलाशय के माध्यम से परिसर की हजारों हेक्टेयर खेती सिंचित होती है. वहीं यह जलाशय काफी आकर्षक होने के कारण अनेक पर्यटक यहां का नजारा देखने के लिए आते है. यह जलाशय परिसर निसर्गरम्य है, यहां पर्यटन के व्यापक अवसर उपलब्ध है. उचित नियोजन कर सौंदर्याकरण पूर्ण करने पर स्थानीय नागरिकों को रोजगार के अवसर मिल सकते है. वहीं यहां बाहरी पर्यटकों की संख्या भी बढ सकती है. जिससे परिसर के वित्तीय विकास को गति मिल सकती है. इस दृष्टि से प्रयास कर इस जलाशय को पर्यटनस्थल का दर्जा देकर विकास करने की मांग की जा रही है.

चामोर्शी तहसील के रेगडी में स्थित कर्मवीर कन्नमवार जलाशय का नजारा देखने व परिसर के प्रकृतिमय परिसर का लुफ्त उठाने अनेक पर्यटक आते है. जिसके चलते वर्ष 2018-19 के दौरान यहां सौंदर्याकरण के कार्य शुरू किए गए थे. इसके तहत बांध परिसर में चिल्ड्रन्स पार्क समेत विभिन्न सुविधा निर्माण करने का नियोजन किया गया था. लेकिन यह कार्य आधाअधुरा रही रह गया.

पात्र किसानों को २ लाख प्रोत्साहनपर लाभ देने की मांग

कांग्रेस की तहसील कार्यालय पर दस्तक

संवाददाता । देवली

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर किसान कर्जमाफी योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रोत्साहन पर लाभ की राशि उनके बैंक खातों में तत्काल जमा करने की मांग को लेकर देवली तहसील के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय पर दस्तक दी. इस दौरान तहसीलदार समर्थ क्षीरसागर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम निवेदन सौंपा गया.

ज्ञापन में कहा गया है कि राज्य सरकार के 2 जून 2026 के शासन निर्णय के अनुसार पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर किसान कर्जमाफी योजना के तहत पात्र किसानों को प्रोत्साहनपर लाभ देने का प्रावधान किया गया है. शासन निर्णय के अनुसार वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 इन तीन वित्तीय वर्षों में से किसी भी दो वर्षों में फसल ऋण लेकर उसकी नियमित रूप से अदायगी करने वाले किसानों को अधिकतम दो लाख रुपये तक प्रोत्साहनपर लाभ दिया जाना है. इसके लिए वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद 30 जून से पहले अथवा बैंक के प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित अवधि में ऋण की नियमित अदायगी करना आवश्यक है.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि, अनेक किसानों ने सरकार द्वारा निर्धारित सभी शर्तों एवं मानदंडों की पूर्ति की है. इसके बावजूद उन्हें अभी तक कर्जमाफी योजना के प्रोत्साहनपर लाभ से वंचित रखा गया है. ऐसे पात्र किसानों के बैंक खातों में जल्द से जल्द दो लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि जमा की जाए. इसके साथ ही वर्ष 2025-26 में अल्पावधि फसल ऋण लेने वाले किसानों को भी योजना का लाभ देने का प्रावधान शासन निर्णय में किया गया है. इन किसानों द्वारा निर्धारित अवधि में ऋण की नियमित अदायगी करना आवश्यक है. इसके बावजूद पात्र किसानों को लाभ नहीं मिलने

से उनमें नाराजगी है. तहसीलदार समर्थ क्षीरसागर को ज्ञापन सौंपते समय कृषि उपज बाजार समिति के सभापति मनोज वसु, संचालक मनीष खडसे, सुनील बासू, अमर तीनघसे, रवींद्र चौधरी, हरीश ओझा, अरुण लाहोरे, संजय बोबडे, जय वाकडे, सुरेश वैद्य, सुमित कांबले, पवन महाजन, नितीन महल्ले, कुणाल कांबले सहित कांग्रेस के बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और किसान उपस्थित थे.

अतिवृष्टि से 35 सड़कें क्षतिग्रस्त

निधि उपलब्ध होते ही होंगे स्थायी काम, अस्थायी मरम्मत जारी

संवाददाता / वर्धा

जिले में 31 जुलाई को हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई थी. जिले के 52 में से 43 राजस्व मंडलों में अतिवृष्टि दर्ज की गई. इस बारिश का असर जिला परिषद के निर्माण विभाग के अंतर्गत आने वाली सड़कों और पुलों पर भी पड़ा है. अतिवृष्टि के कारण करीब 35 सड़कें और 22 पुल व स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हुए हैं. सड़कों के करीब 50 किलोमीटर हिस्से का डामर उखड़ने की

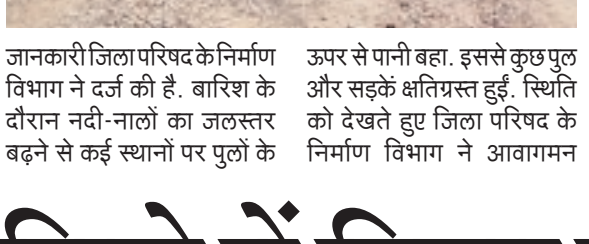

जानकारी जिला परिषद के निर्माण विभाग ने दर्ज की है. बारिश के दौरान नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से कई स्थानों पर पुलों के ऊपर से पानी बहा. इससे कुछ पुल और सड़कें क्षतिग्रस्त हुईं. स्थिति को देखते हुए जिला परिषद के निर्माण विभाग ने आवागमन सुचारू रखने के लिए क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल अस्थायी मरम्मत शुरू कर दी है. विभाग की ओर से फिलहाल क्षतिग्रस्त हिस्सों पर मुरूम डालकर सड़कों को आवागमन योग्य बनाया जा रहा है. अधिकारियों के अनुसार, इससे नागरिकों को आवाजाही में होने वाली परेशानी को कम करने में मदद मिलेगी. वहीं, सड़कों और पुलों की स्थायी मरम्मत एवं आवश्यक उपाययोजनाओं के लिए निधि उपलब्ध होने के बाद काम किया जाएगा.

सेवाग्राम 'चले जाओ' आंदोलन की वैचारिक भूमि

संवाददाता / वर्धा

'चले जाओ' आंदोलन की 85वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रहार समाज जागृति संस्था की ओर से आयोजित 25वीं अगस्त क्रांति मैराथन में स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के साथ ही खुले वर्ग के धावकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता ली. प्रतियोगिता में लगभग 325 धावकों ने हिस्सा लिया. इस अवसर पर पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने कहा कि 'सेवाग्राम' वर्धा 'चले जाओ' आंदोलन की वैचारिक भूमि है. युवाओं को इतिहास से जोड़ने तथा उनमें खेल भावना विकसित करने वाले ऐसे आयोजन आवश्यक हैं. 9 अगस्त को स्थानीय विकास भवन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में धावकों एवं उनके अभिभावकों से संवाद करते हुए डॉ. भोयर बोल रहे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद रामदास तडस ने की. प्रमुख अतिथियों में राज्यमंत्री डॉ. पंकज भोयर, वरिष्ठ समाजसेवी मोहन अग्रवाल, विदर्भ साहित्य संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप दाते, समाजसेवी इमरान राही, स्काउट के जिला संगठक नितेश झाडे, प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र बोरकर, प्रा. रवींद्र गुजरकर, प्रहार के सचिव संतोष तुरक, प्राचार्य डॉ. सुनीता सोनारे तथा प्रहार संस्था के अध्यक्ष एवं एनसीसी अधिकारी कैप्टन मोहन गुजरकर उपस्थित थे.

अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर प्रहार संस्था तथा देवली स्थित एस.एस.एन. जे. महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट, राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट एवं रोवर रेंजर यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में 25 वीं अगस्त क्रांति मैराथन का आयोजन किया गया था. प्रतियोगिता में स्कूली, महाविद्यालयीन तथा खुले वर्ग के कुल 325 धावकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता किया. पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने कहा कि आज खेल के मैदान खाली नजर आते हैं और अधिकांश विद्यार्थियों का ध्यान केवल पढ़ाई पर केंद्रित रहता है.

आदिवासी दिवस पर जिले में दिखा उत्साह

महापुरूषों का अभिवादन, विभिन्न प्रबोधनात्मक कार्यक्रम

संवाददाता / गड़चिरोली

आदिवासी समुदाय यह देश का मुल समुदाय है. यह समुदाय गड़चिरोली जिले में बड़ी संख्या में है. जिसके चलते गड़चिरोली जिले को आदिवासी बहुल कहां जाता है. आज 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में जिलेभर में उत्साह का वातावरण छाया रहा. इस दौरान गड़चिरोली शहर समेत जिलेभर में विभिन्न जगह कार्यक्रमों का आयोजन कर प्रबोधन किया गया.

वहीं महापुरूषों को अभिवादन किया गया. इस दौरान विभिन्न

जगह रैलियां निकाल जय सेवा.., जय जोहार... के नारे लगाएं गए. आदिवासी समुदाय को एक विशेष पहचान के साथ रहने देने के लिए व उनकी सुरक्षा हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 1994 में 9 अगस्त से विश्व आदिवासी दिवस मनाने की शुरूआत की थी. तब से विश्वभर में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है. राज्य के अंतिम छोर पर बसा गड़चिरोली जिला आदिवासी बहुल है. जिसके चलते प्रतिवर्ष के भांति इस वर्ष भी जिलेभर में विश्व आदिवासी दिवस उत्साह के साथ मनाया गया. इस दौरान गड़चिरोली शहर में विभिन्न जगह कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था. इस दौरान आदिवासी क्रांतिवीर तथा महापुरूषों को नमन किया गया. वहीं विभिन्न प्रबोधनात्मक कार्यक्रम लिए गए. इस दौरान गड़चिरोली शहर के मुख्य मार्ग से रैली निकाली गई. यह रैली आकर्षण का केंद्र बनी थी. इस दौरान जय सेवा.... जय जोहार... के नारे लगते दिखाई दे रहे थे. गड़चिरोली शहर के साथ ही जिलेभर में विभिन्न जगह विश्व आदिवासी दिवस उत्साह के साथ मनाया गया.

आदिवासी संस्कृति की दिखी झलक

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए थे. इस दौरान अनेक जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए. इस समय आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाई दी. आदिवासी संस्कृति एक विशेष संस्कृति है. आदिवासी समुदाय के लोग अपने पर्व पर अपने कला का प्रदर्शन करते है. इसमें रेला नृत्य पेश किए गए. आदिवासीयों के विशेष वाद्ययंत्रों पर यह जिले के दुर्गम व ग्रामीण अंचल में आदिवासी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम संपन्न हुए. इसमें समुचे आदिवासी बांधव सम्मिलित हुए थे.

टाइगरलैंड में झमाझम बारिश उमड़ा सैलानियों का सैलाब

इलेक्ट्रॉनिक व हाउसबोट का लोग ले रहे आनंद, चाय-पकौड़े व स्थानीय व्यंजनों की धूम

संवाददाता / नवेगांवबांध

गोंदिया जिले में लगातार हो रही बारिश ने नवेगांवबांध पर्यटन क्षेत्र की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए हैं. 9 अगस्त को झमाझम बारिश के बीच भी नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व से सटे पर्यटन क्षेत्र में हजारों पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ी. रंग-बिरंगे छाते लेकर व रेनकोट पहने परिजनों, बच्चों और युवाओं की टोलियां बारिश की फुहारों के बीच ऐतिहासिक नवेगांवबांध और आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते नजर आईं. जिले में इस मानसून में लगातार हुई बारिश से नदी-नालों और जलाशयों में जल स्तर बढ़ने के साथ पर्यटन स्थलों की रौनक भी बढ़ गई है. यही वजह है कि नवेगांवबांध इन दिनों गोंदिया जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभरकर सामने आया है.

अर्जुनी मोरगांव तहसील में स्थित नवेगांवबांध का इतिहास 18वीं सदी से जुड़ा है. बताया जाता है कि इस ऐतिहासिक बांध का निर्माण श्री कोलु पाटिल कोहली द्वारा कराया गया था. करीब 3 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस विशाल जलाशय की जलसंचय क्षमता

45.143 दशलक्ष घनमीटर है. ऐतिहासिक महत्व के साथ प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह जलाशय आज नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व की पहचान का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है. 9 अगस्त को बारिश के बावजूद पर्यटकों का उत्साह कम नहीं हुआ. बांध परिसर में परिवारों के साथ बड़ी संख्या में लोग पहुंचे. बारिश की फुहारों, हरियाली और जलाशय के विहंगम दृश्य ने पर्यटकों को खासा आकर्षित किया. कई लोगों ने बारिश में बांध और आसपास के प्राकृतिक नजारों की तस्वीरें और वीडियो भी बनाए.

पर्यटकों के स्वागत के लिए बनाए गए टाइगरलैंड नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व के भव्य प्रवेश द्वार ने सभी का ध्यान खींचा. परिसर में दिल के आकार का फूलों से सजा गेट, टॉय ट्रेन, झूले, एडवेंचर रिंग, रॉकेट इजेक्शन राइड और घुड़सवारी जैसी सुविधाएं बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं.

नवेगांवबांध में पर्यटकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक बोट और हाऊस बोट की सुविधा भी उपलब्ध है. जलाशय के बीच से आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने का अनुभव पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बना हुआ है. मानसून में चारों ओर फैली हरियाली और पानी से लबालब जलाशय, पर्यटन के आनंद को और बढ़ा रहे हैं. इस पर्यटन स्थल में ग्रीन पार्क गार्डन और रेस्टोरेंट तथा दिनशाज़ में पर्यटक बारिश के मौसम में गरम चाय और पकौड़ों का आनंद लेते दिखाई दिए. पीले टेंट के नीचे लगी दुकानों पर स्थानीय व्यंजनों की भी खूब मांग रही. बारिश से बचते हुए पर्यटकों ने स्थानीय स्वाद का भी भरपूर आनंद लिया.

गोंदिया जिले में मानसून के दौरान हुई अच्छी बारिश का असर जिले के जलाशयों और पर्यटन स्थलों पर साफ दिखाई दे रहा है. बारिश के कारण नवेगांवबांध समेत अन्य जलस्रोतों में जलसंचय बढ़ा है. इससे प्राकृतिक सौंदर्य निखरने के साथ पर्यटन गतिविधियों को भी गति मिली है. वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार मानसून के दौरान नवेगांवबांध पर्यटन संकुल में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होती है. जबकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों का आकर्षण इसको लेकर लगातार बढ़ रहा है.

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर हुआ मंथन

सोनपुरी : रोंडा केंद्र की शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रथम केंद्र स्तरीय शिक्षण परिषद रोंडा के जिला परिषद हिंदी वरिष्ठ प्राथमिक पाठशाला में आयोजित की गई. परिषद में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, छात्र-केंद्रित शिक्षण, विद्यालय विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा और मार्गदर्शन किया गया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र अध्यक्ष एस.जे. अंबुले ने की. प्रमुख अतिथि के रुप में केंद्र प्रमुख एस.एस. पाचे, विषय साधन व्यक्ति अलका माने, प्रधानाध्यापक बी.जी. बुलाखे, वाई.जी. मच्छिरके, पी.पी. नागपुरे, एच.एल.राऊत, बी.आर. मेश्राम, ए.एम. साखरे, वी.पी.कटरे तथा एम.ए. माहुले उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती पूजन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ.

इसके बाद केंद्र प्रमुख पाचे ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, विद्यालय विकास योजना, छात्र-केंद्रित शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शिक्षकों की जिम्मेदारियों पर विस्तृत मार्गदर्शन किया. पाचे ने बहुवर्गीय शिक्षा, शिक्षण नियोजन एवं गुणवत्तापूर्ण अध्यापन, एस.डब्ल्यू. तुपट ने शैक्षणिक सामग्री प्रबंधन एवं डिजिटल संसाधनों के उपयोग, एस.पी. बहेटवार ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, जबकि एस.जे.अंबुले ने शैक्षणिक ग्रामसभा एवं पालक सभा के प्रभावी आयोजन पर मार्गदर्शन किया. वाई.जी. मच्छिरके ने सरकार की विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी दी. अलका माने ने सतत मूल्यांकन एवं समग्र विकास पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम का संचालन एल. जी. मेश्राम तथा आभार प्रदर्शन एस.जे.अंबुले ने किया.

सिक्के लेने से कर रहे इंकार

तिरोड़ा : एक व 2 रु. के सिक्कों को लेकर परेशानी बढ़ गई है. दुकानदार व बैंक यह सिक्के लेने से मना कर रहे हैं. उसे लेकर ग्राहक-दुकानदार के बीच व बैंक कर्मियों से विवाद होने लगता है. बैंक और व्यापारी सिक्के को स्वीकार करने से इंकार कर रहे हैं. जिससे गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले ग्राहकों को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है.

कर्जमाफी योजना का लाभ लेने जल्द कराएं ई-केवाईसी : पत्की

संवाददाता / गोंदिया

राज्य सरकार की पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान कर्जमुक्ति योजना-2026 के तहत पात्र किसानों को कर्जमाफी, एकमुश्त समझौता योजना और प्रोत्साहन लाभ दिया जाएगा. योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को जल्द से जल्द आधार प्रमाणीकरण (ई-केवाईसी) पूरा कराने की अपील जिलाधिकारी मंदार पत्की ने की है.

जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में उन्होंने बताया कि जिले के 30,295 किसानों के नाम योजना के पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं. इनमें 18,830 किसान जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक तथा शेष किसान राष्ट्रीयकृत बैंकों से जुड़े हैं. अब तक 13,042 किसानों का आधार प्रमाणीकरण पूरा हो चुका है, जबकि 8,574 प्रकरण अभी भी लंबित हैं. जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गांव में प्रदर्शित सूची और सरकारी पोर्टल पर दर्ज बकाया राशि में अंतर होने पर पोर्टल पर उपलब्ध राशि को ही अंतिम माना जाएगा. यह बकाया 31 मार्च 2026 तक का होगा तथा अप्रैल 2026 के बाद का अतिरिक्त ब्याज नहीं जोड़ा जाएगा. आधार प्रमाणीकरण पूरा होने के बाद किसानों को रसीद दी जाएगी, जिसमें स्वीकृत कर्जमाफी की राशि का विवरण रहेगा. इसके बाद डीबीटी के माध्यम से राशि सीधे संबंधित कर्ज खाते में जमा की जाएगी.

गो-हत्या व मांस बिक्री के आरोपी तड़ीपार

संवाददाता / गोंदिया

जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से गोंदिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तिरोड़ा थाना क्षेत्र में गो-हत्या व गोमांस की बिक्री करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को दो माह के लिए गोंदिया जिले से जिला बदर कर दिया है. यह कार्रवाई महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 55 के तहत पुलिस अधीक्षक के आदेश पर की गई. जिला बदर किए गए आरोपियों में वकील अहमद हुसैन कुरैशी (53), सोहेल वकील कुरैशी (30) तथा ईश्वर शाह (20) शामिल हैं. पुलिस के अनुसार वकील अहमद हुसैन कुरैशी इस गिरोह का सरगना है, जबकि अन्य दोनों उसके सहयोगी सदस्य हैं. पहले भी हुई कार्रवाई पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से तिरोड़ा क्षेत्र में गोवंश की अवैध कटाई व गोमांस की बिक्री जैसे गैरकानूनी कार्यों में संलिप्त थे. इनके खिलाफ पहले भी कई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा चुकी थी, लेकिन इनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया.

वायरल फीवर के मरीजों की बढ़ी संख्या

संवाददाता / गोंदिया

वैसे तो वायरल फीवर हर मौसम में होता है। लेकिन अधिकतर यह वायरल फीवर बारिश के मौसम में होता है। बारिश के मौसम में दूषित खानपान से यह समस्या होती है। बार-बार बुखार आना, सिरदर्द, पेटदर्द, टायफाइड, मलेरिया, पीलिया जैसी बीमारियां लोगों को घेर रही है।

शहर के हर घर में बुखार का मरीज पाया जा सकता है। वहीं अस्पतालों में भी मरीजों की बढ़ती संख्या देखी जा सकती है। बता दें कि शहर में बड़े पैमाने पर गंदगी होना भी इसका एक मुख्य कारण बताया जा रहा है। गौरतलब है कि गोंदिया शहर सहित जिले भर में नागरिक मौसमी बीमारियों की वजह से खासे परेशान है। जहां एक ओर जिले में जल भराव की वजह से मच्छरों की संख्या में वृद्धि हो रही है तो वहीं दूसरी ओर इन मच्छरों की वजह से मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इसके अलावा खुले में बिकने वाली खाद्य सामग्री भी बीमारियों को फैलाने में मददगार साबित हो रही है।

शहर के कई स्थानों पर अनेक दिनों से पानी जमा हुआ नजर आ सकता है। जहां पर मच्छरों की पैदावार हो रही है। ऐसे स्थानों पर कीटनाशक भी नहीं डाला जा रहा है। शासकीय अस्पतालों में वायरल फीवर के मरीज बड़ी संख्या में नजर आ रहे हैं। वहीं प्रशासन की ओर से नागरिकों को समय-समय पर सूचित किया जा रहा है कि मकानों के आसपास जलभराव न होने दे एवं एक दिन सूखा का पालन करें। घरों की छत पर रखे गए खाली टायर हो तो उसे तुरंत फेंक दें। इन टायरों में बारिश का पानी जमा हो जाता है और वहां मच्छरों की पैदावार होती है। जो डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों का फैलाव करते हैं। वहीं चिकित्सकों का कहना है कि अगर बुखार जैसी स्थिति है तो तुरंत पास के अस्पताल में पहुंचकर अपने खून की जांच करा लें।

गोंदिया, आमगांव, गोरेगांव और सड़क अर्जुनी में जमकर बरसे मेघ

संवाददाता / गोदिया

8 अगस्त को 2-3 दिनों के अंतराल के बाद शाम 4 बजे के दौरान गोंदिया शहर सहित आमगांव-गोरेगांव, सड़क अजुर्नी तहसीलों में जमकर बारिश हुई। वही तिरोड़ा, देवरी में हल्की बारिश हुई। रुक-रुक कर हो रही इस बारिश से एक ओर जहां मौसम सुहाना हो गया, वहीं उमस और गर्मी से नागरिकों को राहत मिली है। दूसरी ओर इससे खेतों में धान की रोपाई का काम भी अब अंतिम दौर में तेज गति से चल रहा है। वैसे तो जिले में सुबह से ही मौसम बदरीला बना हुआ था, लेकिन बारिश न होने के कारण उमस और गर्मी से नागरिक परेशान हो रहे थे। शाम 4 बजे के बाद अचानक बिजली की तेज गड़गड़ाहट के साथ बारिश शुरू हो गई जो समाचार लिखे जाने तक जारी थी। मौसम के रुख को देखते हुए कहा जा रहा है कि, अगले 8 से 10 दिनों में गोंदिया जिले में धान की रोपाई का काम खत्म हो जाएगा। बारिश के कारण कुछ समय तक सड़कों पर यातायात ठप सा हो गया।

आखिरकार टूटे बैरिकेड्स की हुई वेल्डिंग

सोनपुरी : बाघ नदी के जर्जर पुल के टूटे बैरिकेड्स से यात्रियों की जान को उत्पन्न खतरे का विषय लोस द्वारा प्रमुखता से उठाए जाने के बाद सार्वजनिक लोकनिर्माण विभाग ने तत्काल संज्ञान लिया. विभाग ने पुल के टूटे बैरिकेड्स की बेल्डिंग कर उसे ठीक कर दिया है.

पुल के बैरिकेड्स टूटे होने के कारण वाहन चालकों, स्कूली विद्यार्थियों, किसानों और राहगीरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति बनी हुई थी. विशेषकर पुल से रोजाना बड़ी संख्या में आवागमन होने के कारण किसी भी समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी. इस संबंध में लोस में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया. सार्वजनिक लोकनिर्माण विभाग की ओर से तत्काल कार्रवाई करते हुए टूटे बैरिकेड्स को बेल्डिंग कर मजबूत

किया गया.

इससे पुल से आवागमन करने वाले नागरिकों को बड़ी राहत मिली है. बैरिकेड्स मरम्मत होने पर स्थानीय ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त करते हुए लोस के लगातार प्रयासों व सार्वजनिक लोकनिर्माण विभाग की कार्रवाई का स्वागत किया. लोगों का कहना है कि बैरिकेड्स की मरम्मत अस्थायी राहत है. उन्होंने नए पुल निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की है. साथ ही पुराने पुल की नियमित देखभाल, सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक मरम्मत कार्य समय-समय पर किए जाने की मांग भी ग्रामीणों ने की है.

सेवानिवृत्त संगठन के जिला अधिवेशन की तैयारियों में जुटें पदाधिकारी : खोब्रागड़े

गोंदिया : महाराष्ट्र राज्य सेवानिवृत्त शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं अधिकारी संगठन का जिला अधिवेशन आगामी 7 सितंबर को आमगांव स्थित शुभम लॉन (हॉल) में आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन की तैयारियों और नियोजन को लेकर आयोजित जिलास्तरीय सभा में संगठन के जिला एवं तहसील पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभा की अध्यक्षता करते हुए संगठन के जिलाध्यक्ष एल.यू. खोब्रागड़े ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से अधिवेशन की सफलता के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

सभा में संगठन के राज्य उपाध्यक्ष पी. आर. पारधी, सचिव पी.एन. बडोले, कोषाध्यक्ष डी.एल. गुप्ता, माध्यमिक

विभाग अध्यक्ष मोहनलाल पटले, उपाध्यक्ष टी.बी. भेंडारकर, उमेश बागड़े, टी.एन. बहेटवार, जी.एफ. बुले, महिला प्रतिनिधि मनू उके और विद्या अवधूत प्रमुख रूप से उपस्थित थे। बैठक में अधिवेशन की तैयारियों सहित संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए गए। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष पी.बी. लांजेवार ने किया, जबकि तहसील अध्यक्ष डी.एम. दखने ने आभार व्यक्त किया। इस समय एच.आर. चन्ने, डी.बी. चौधरी, एच.पी. पटले, एस.एम. येले, बी.एस. सोनवाने, नरेंद्र कारंजेकर, रमेश गहाणे, जे.बी. करहाड़े, डी.पी. पर्वते, के.डी. चौधरी, सी. के. निनावे, एल.बी. बिसेन सहित संगठन के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नशे के खिलाफ छात्रों ने लिया संकल्प

संवाददाता / सालेकसा

नशामुक्त भारत अभियान के तहत युवाओं और विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, सालेकसा के तत्वावधान में श्री गुरुदेव हाई स्कूल व कनिष्ठ महाविद्यालय तथा शासकीय आश्रम शाला, जमाकुडो में युवा नशामुक्ति मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए नशे से दूर रहने और नशामुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व आर्थिक दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी गई. मार्गदर्शकों ने कहा कि युवा पीढ़ी देश की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य है. यदि युवा नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें तो स्वस्थ परिवार, सुदृढ़ समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है. विद्यार्थियों को नशे के प्रति आकर्षित होने से बचने, अपने साथियों को भी जागरूक करने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य राजेश डोंगरे ने की. कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व पंस उपसभापति मनोज विश्वकर्मा के हाथों हुआ.

प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बीके सविता दीदी, बीके ममता दीदी व बीके लीला दीदी ने विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन के महत्व पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया. इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे से सदैव दूर रहने तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने की सामूहिक शपथ दिलाई गई. शपथ के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया. सफलतार्थ उमेश मेहरे, अनिल वरकड़े, बीके जनक भाई, अरविंद मरावी, माधवी बहेकार सहित संस्था के शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने प्रयास किया. संचालन पटले ने किया.

विश्व आदिवासी दिवस : पारंपरिक वेशभूषा और लोकनृत्य के साथ गाए गीत

जल, जमीन, जंगल, शिक्षा पर दिया जोर, निकली रैली

संवाददाता / गोंदिया

आदिवासी समुदाय द्वारा जिला मुख्यालय सहित जिले की सभी तहसील तथा ग्रामीण अंचलों में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह में हजारों की संख्या में पारंपारिक वेशभूषा में आदिवासी बांधव शामिल हुए। पारंपारिक वेशभूषा लोकनृत्य का आकर्षण उत्सव की शुरुआत पारंपारिक आदिवासी रीति रिवाज से महापुरुषों के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इस दौरान जय सेवा गगनभेदी नारों से गोंदिया गूंज उठा।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जागतिक आदिवासी दिवस उत्सव समिति के नेतृत्व में गोंदिया मुख्यालय में विश्व आदिवासी दिवस समारोह मनाया गया।

शहर के हृदयस्थल जयस्तंभ चौक से रैली का शुभारंभ हुआ। रैली में रेला नृत्य, ढोल-ताशों की थाफ और पारंपारिक गीत आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। युवाओं, महिलाओं और बुर्जुगों ने आदिवासी संस्कृति का प्रदर्शन कर उत्साहपूर्वक नृत्य किया। रैली जयस्तंभ चौक, मनोहर चौक, आंबेडकर चौक, नेहरू चौक, गोरेलाल चौक, दुर्गा चौक, चांदनी चौक, गांधी प्रतिमा से सीधे उड़ान पुल से मरारटोली होते हुए रैली सभा के रूप में आंबेडकर भवन में तब्दील हुई। जहां पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र जैन का सत्कार किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मान्यवरों ने आदिवासी समुदायों को संबोधित करते हुए जल, जमीन, जंगल, शिक्षा तथा विकास कार्यों पर प्रबोधन किया। रैली का नेतृत्व नेशनल आदिवासी पिपल फेडरेशन के अध्यक्ष करण टेकाम, गोंडवाना मित्र मंडल अध्यक्ष घनश्याम तोडसाम, एड. विवेक धुर्वे, सेवानिवृत्त गटशिक्षणाधिकारी वाय. सी. भोयर, सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी धनराज तुमडाम, आदिवासी विदर्भ संगठक प्रमिला सिंद्रामे, कार्याध्यक्ष अर्चना मडावी, आदिवासी हलबी कर्मचारी संगठन अध्यक्ष जगन्नाथ घासले, नंगारसी समाज अध्यक्ष दिनेश तांडे सहित आदिवासी समुदायों के सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने किया है।

छात्रों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

आमगांव : भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत रिसामा स्थित श्री स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सहयोग से जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था. कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ. इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से स्मिता दीदी, वैशाली दीदी, जयश्री दीदी एवं धानेश्वर तावड़े विशेष रूप से उपस्थित थे. इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में स्मिता दीदी ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने तथा अपने परिवार, समाज और देश को नशा मुक्त रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की. प्राचार्य स्मृति छपरिया ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरुकता कार्यक्रम स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक चंद्रकांत खंडेलवाल द्वारा भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरूनानक वॉर्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से मुद्रित कर गुरूनानक वार्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से प्रकाशित.
संपादक :- चंद्रकात खंडेलवाल, पी.आर.पी एक्ट के तहत जिम्मेदार *